an>

Title: Need to provide employment to the families whose land was acquired for construction of Munger-Begusarai rail-cum-road bridge in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय): मुंगेर-बेगूसराय रेल-सह-सड़क पुल हेतु किसानों की सैकड़ों एकड़ जमीन इस परियोजना में गई है। यह उनकी रोटी थी, यही उनकी बेटी थी, यही उनका सर्वस्व था। रेलवे बोर्ड ने किसानों की अर्जित जमीन लेने के समय उनसे कहा था कि वे जिनकी जमीन लेंगे उनके परिवार से एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी। परन्तु अभी तक एक तिनका भी उनकी झोली में नहीं डाला गया। घोषणा के अनुरूप नौकरी पाना उनका संवैधानिक अधिकार है। पूर्व-मध्य रेल अंचल के पदाधिकारी अभी इस विषय पर मौन हैं। जहां भारत सरकार किसानों को राष्ट्र की 40 प्रतिशत आय उनके जीवन में समृद्धि लाने के लिए व्यय करने जा रही है, वहीं किसान अपने बच्चों के भविष्य के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं।

इस परिस्थिति में किसानों में भयानक असंतोष एवं हाहाकार है। रेलवे प्रशासन पुनः कटघरे में खड़ा है। अपने दिए आश्वासन को पूरा करने के लिए उनमें गंभीरता का अभाव है। संसदीय गणतंत्र में जहां जनता की आस्था ही किसी सरकार के प्राण होते हैं यह दृष्टिकोण प्रशंसनीय नहीं है। अतः मैं अपनी पीड़ा को जो जनता की वेदना है, की ओर माननीय प्रधानमंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ।